पाकिस्तान में भी फहरा रहा है हरियाणा का परचम

जगदीश त्रिपाठी | Jul 28, 2011, 00:50AM IST

आर्टिकल विचार (4) Like 705 Tweet 1 +1 2

पानीपत. पाकिस्तान की पहली महिला विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार की भारत यात्रा के चर्चे हरियाणवियों की जुबान पर हैं। हालांकि हिना का हरियाणा आने का कोई कार्यक्रम नहीं है। लेकिन हिना हरियाणवी मूल की हैं।

सो, उनके प्रति यहां के लोगों में विशेष अनुराग स्वाभाविक है। ऐसा नहीं कि यह अनुराग एक तरफा है पाकिस्तान में लगभग तीन करोड़ आबादी ऐसी है जो हरियाणा मूल की है और उनका भी हरियाणा के प्रति कुछ ऐसा ही लगाव है। उनकी जुबान भी हरियाणवी है, हालांकि पाकिस्तान में उसे रांगड़ी कहा जाता है। विश्वस्तर पर ख्यातिलब्ध हरियाणवी संस्कृति कर्मी अनूप लाठर बताते हैं कि पाकिस्तान जाकर भी हरियाणवी मूल के लोग अपनी सांस्कृतिक विरासत को नहीं भूले हैं। उनके सिर पर पगड़ी मौजूद है और चौपालों में हुक्का।

लाठर के मुताबिक फेसबुक पर उनके लगभग साढ़े तीन हजार मित्र हैं जिनमें से आधे हरियाणा मूल के पाकिस्तानी हैं। वे चैटिंग के दौरान बताते हैं कि उन्हें जयमल-पत्ता और महाभारत के सांग बेहद पसंद हैं। वे फोन पर ठेठ हरियाणवी में बात करते हैं। लाठर बताते हैं कि पाकिस्तान के ज्यादातर संस्कृति कर्मी और कला धर्मी हरियाणा मूल के हैं। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में हरियाणा दिवस पर मनाए जाने वाले रत्नावली महोत्सव में भाग लेने के लिए पाक के कई सांस्कृतिक ग्रुप अपनी इच्छा व्यक्त कर चुके हैं। लाठर चाहते हैं कि भारत सरकार को उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए इसकी इजाजत देनी चाहिए।

सैकड़ों नीति नियंता शख्सियतें हरियाणा मूल की

हिना रब्बानी खार ही नहीं बल्कि हरियाणा मूल की सैकड़ों ऐसी शख्सियतें हैं जिन्होंने पाकिस्तान में अपनी योग्यता और क्षमता का परचम फहराया है। पाक के पहले प्रधानमंत्री लियाकत अली खां करनाल के थे। मशहूर क्रिकेटर और टेनिस स्टार सानिया मिर्जा के शौहर शोएब मलिक के पुरखे मूलत : सोनीपत के हैं। पटौदी रियासत के नवाब मंसूर अली खान पटौदी के चचेरे भाई इसफानदियार अली पटौदी पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के डिप्टी डायरेक्टर जनरल हैं।

रांगड़ होने का फख्र

पहले हरियाणा दिल्ली सूबे में आता था। मुस्लिम काल के दौरान धर्म परिवर्तन कर इस्लाम अपनाने वाले यहां के राजपूतों, जाटों और गूजरों को रांगड़ कहा जाता था। इसी लिए उनकी बोली हरियाणवी को पाक में रांगड़ी कहा जाता है। हिना के पूर्वज भी हरियाणा के जाट थे जो धर्म परिवर्तन कर रांगड़ यानी मुसलमान बन गए। पाक में रांगड़ युवक खुद को बड़े फख्र से रांगड़ बताते हैं। उनमें जाति-सूचक सरनेम का क्रेज है। कराची व रावलपिंडी जैसे शहरों में तो गाड़ियों के पीछे राजपूत या जाट ऐसे लिखा मिलता है जैसे हरियाणा में।

http://www.bhaskar.com/article/HAR-OTH-haryanvi-speaking-million-people-2298937.html?HF-26